डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ

वर्ष 2014–15 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ एवं आगामी वर्ष की योजनाएँ

विश्वविद्यालय के बढ़ते क़दम

विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ एवं भावी योजनाएँ

विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार के विकलांगजन विकास विभाग के द्वारा वर्ष 2008 में की गई।

कुलाध्यक्ष	:	श्री राम नाईक माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष सामान्य परिषद्	:	श्री अखिलेश यादव माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
माननीय मंत्री	:	श्री अम्बिका चौधरी विकलांगजन विकास विभाग, उ.प्र.
कुलपति	:	प्रो. (डॉ.) निशीथ राय

मुख्य उद्देश्य

- समेकित शिक्षा के माध्यम से निःशक्त लोगों का पुनर्वास एवं सशक्तिकरण तथा उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ना।
- पूरे विश्व में अपनी तरह का इकलौता विश्वविद्यालय जहाँ निःशक्त एवं सामान्य छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन की एक साथ व्यवस्था।
- समग्र परिसर में निःशक्तजनों के अनुरूप बाधारहित अवस्थापना सुविधाएँ उपलब्ध।

उपलब्धियाँ

- यू.जी.सी. अधिनियम, 1956 की धारा 12(बी) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय का समावेशन। इससे विश्वविद्यालय ने यू.जी.सी. से अवस्थापना एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिये वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिये पात्रता पूर्ण कर ली है।
- माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ को विकलांगजन हेतु बाधारहित वातावरण के सृजन में उत्कृष्ट कार्य हेतु भारत सरकार का राष्ट्रीय विकलांगता पुरस्कार–2014 प्रदान किया गया।
- विशेष शिक्षा संकाय के दृष्टिबाधितार्थ, श्रवणबाधितार्थ एवं मानसिक मन्दितार्थ विभागों में एम.एड. तथा डी.एड. पाठ्यक्रमों का आरम्भ किया जाना।
- बी.कॉम.लॉ (पंचवर्षीय) ऑनर्स पाठ्यक्रम का बार कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया द्वारा अनुमोदन।
- विधि संकाय के अधीन विधि विभाग की स्थापना।
- विभिन्न विभागों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति।

- प्रॉक्टर की नियुक्ति–प्रॉक्टोरियल बोर्ड का गठन।
- डीन (विशेष शिक्षा), डीन (आर्ट्स), डीन (स्टूडेण्ट वेलफेयर), डीन (कॉमर्स) एवं डीन (लॉ) की नियुक्ति।
- परीक्षा नियन्त्रक की नियुक्ति एवं परीक्षा प्रकोष्ठ की स्थापना।
- पूर्णकालिक वित्त अधिकारी की नियुक्ति।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न विकास परियोजनाओं से विस्थापित होने वाले लोगों के पुनर्वास हेतु विश्वविद्यालय को 'नोडल सेण्टर' बनाया गया।
- **विश्वविद्यालय की सामान्य परिषद् का विधिवत् गठन। नामित सदस्य :**

1. डॉ0 एस0बी0 निमसे, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
2. प्रो0 आर0पी0 सिंह, पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
3. श्री रवीन्द्र जैन, सिंगर एण्ड म्यूज़िक डायरेक्टर, मुम्बई।
4. प्रो0 पी0 जेया चन्द्रन, डायरेक्टर, विजय ह्यूमन सर्विसेज़, चेन्नई।
5. श्री अवनीश कुमार अवस्थी, आई0ए0एस0, संयुक्त सचिव,

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, निःशक्तता कार्य विभाग, नई दिल्ली।

6. डॉ0 जी0के0 सिंह, निदेशक, एम्स, पटना।
7. श्रीमती संगीता जूदिथ केलोर, अधिशासी निदेशक, किरन सोसाइटी, वाराणसी।

- सामान्य परिषद् की प्रथम बैठक माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 24 जुलाई, 2014 को सम्पन्न।
- विद्या परिषद् का गठन।
- **विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् का विधिवत् गठन।**

नामित सदस्य :

1. जस्टिस एस0एन0 शुक्ला, मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ बेन्च, लखनऊ।
2. श्री अनिल कुमार तुलसियानी, शोशल वर्कर एण्ड इण्ड्रस्ट्रियलिस्ट, इलाहाबाद।
3. डॉ0 वैभव खन्ना, सीनियर कन्सलटेण्ट, डिपार्टमेण्ट ऑफ प्लास्टिक रिकन्स्ट्रक्टिव एण्ड एस्थेटिक सर्जरी, सहारा हॉस्पिटल, लखनऊ।

- इन्टर्नल क्वालिटी एश्योरेन्स सेल (I.Q.A.C.) का गठन।
- शिक्षकों का स्थायीकरण।

- विद्यार्थियों के लिये शुल्क में कटौती कर उसे युक्तिसंगत बनाया गया।
- विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय महत्व की संस्था के रूप में स्थापित करने के क्रम में इसका नामकरण 'डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय' किया गया। संशोधित एक्ट विधानसभा से पारित।
- विश्वविद्यालय को हरा–भरा बनाने हेतु वृहद् वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत श्री अखिलेश यादव, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा की गयी। विश्वविद्यालय हेतु वृक्षारोपण का मास्टर प्लान तैयार किया गया।
- विभागीय पुस्तकालयों को अतिरिक्त पाठ्य–पुस्तकों, सन्दर्भ ग्रन्थों एवं शोध जर्नल्स से सुसज्जित किया गया।
- कम्प्यूटर लैब का विकास।
- अन्तर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के उपलक्ष में राज्य ललित कला अकादमी, उ.प्र. के संयुक्त तत्वावधान में :–
    1. राज्य ललित कला अकादमी के स्थायी संग्रह से उत्तर प्रदेश के स्तम्भ कलाकारों के चित्रों की त्रिदिवसीय प्रदर्शनी आयोजित।
    2. जयपुर के प्रख्यात कला समीक्षक डॉ. राजेश कुमार

व्यास का 'कलाओं के सरोकार' विषय पर व्याख्यान आयोजित।

3. भोपाल के प्रख्यात कला आचार्य प्रो. आलोक भावसार द्वारा विश्वविद्यालय की शारीरिक रूप से चुनौतीग्रस्त छात्रा 'दीपमाला' को मॉडल बनाकर उसका 'छवि चित्रण' किया गया।

- विकलांग विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क शिक्षण, भोजन एवं छात्रावास का निर्णय। ऐसी सुविधा प्रदान करने वाला यह देश का एकमात्र राजकीय विश्वविद्यालय।
- छात्र–छात्राओं के लिए नवनिर्मित छात्रावास में आवास एवं मेस सुविधा।
- यू.जी.सी. के दिशा–निर्देशों के अनुरूप पी–एच.डी. पाठ्यक्रम आरम्भ।
- अंकतालिका में ग्रेड प्वाइण्ट के साथ प्राप्ताँक का उल्लेख।
- 'स्किल डेवलपमेण्ट एण्ड प्लेसमेण्ट रिसोर्स प्रकोष्ठ' की स्थापना।
- 'सेण्टर फॉर इण्डियन साइन लैंग्वेज एण्ड डेफ स्टडीज़' की स्थापना।
- मूक बधिर विद्यार्थियों के शैक्षिक सशक्तिकरण हेतु इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइन लैंग्वेज एण्ड डेफ

स्टडीज़, लंकाशायर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंग्डम के साथ एम.ओ.यू.।

- एम.ओ.यू. के मुख्य दो उद्देश्यः
  1. अकादमिक सुदृढ़ीकरण हेतु विभिन्न पाठ्यक्रम तैयार करना।
  2. मूक बधिर विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता–आधारित अनुसन्धान।
- पन्द्रह दिवसीय (दिनांक 08 से 22 दिसम्बर, 2014 तक) 'अन्तर्राष्ट्रीय बधिर नेतृत्व एवं क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन जिसमें दस देशों (अमेरिका, इंग्लैण्ड, दक्षिण कोरिया, इण्डोनेशिया इत्यादि) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी प्रशिक्षक एवं प्रतिभागी बधिर थे।
- विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'सम्बल' एवं विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय द्वारा 'जर्नल ऑफ ग्लोबल बिजनेस विज़न' का प्रकाशन।
- शिक्षकों एवं अधिकारियों की टाइप–4 एवं टाइप–5 प्रखण्ड में आवासीय व्यवस्था।
- विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न। दिनांक 30 सितम्बर, 2014 को विगत पांच शैक्षिक सत्रों के 633

विद्यार्थियों को डिग्री एवं 77 पदक प्रदान किया जाना।

- बहुनि:शक्तता एवं सशक्तिकरण राष्ट्रीय संस्थान (NIEPMD), चेन्नई के साथ एम.ओ.यू.।
- यूथ फॉर जॉब्स, हैदराबाद के साथ विश्वविद्यालय के विकलांग छात्रों को रोज़गार प्रदान करने के लिये एम.ओ.यू.।
- फैकल्टी, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं हेतु तीस घण्टे का सांकेतिक भाषा का अभिमुखी कार्यक्रम का संचालन।
- सेण्टर फॉर बॉयो–मेडिकल रिसर्च, एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ के सहयोग से मूक–बधिरता केन्द्रित अनुसन्धान।
- मूक–बधिर विद्यार्थियों हेतु उनकी आवश्यकतानुसार पाठ्यचर्या को सुगम्य प्रारूप में उपलब्ध कराना।
- प्रख्यात संगीतकार श्री रवीन्द्र जैन, इंग्लैण्ड की यूनिवर्सिटी सेण्ट्रल लंकाशायर के इण्टरनेशनल सेण्टर फॉर साइन लैंग्वेज एण्ड डेफ स्टडीज़ की निदेशक व सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ प्रो. उलरिक जीशान एवं श्रीमती स्तुति कक्कड़, पूर्व सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को विश्वविद्यालय का विज़िटिंग प्रोफ़ेसर नियुक्त किया गया।
- बहु–सुविधाओं के प्रयोजन हेतु एमेनिटीज़ ब्लॉक का निर्माण पूर्ण।

- 1500 की क्षमता का अत्याधुनिक साज–सज्जा से युक्त सभागार लगभग बनकर तैयार।
- कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा पेरिस में सम्पन्न कुलपतियों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग।
- विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि–सम्प्रति लगभग 2000

भावी योजनाएँ

- बैचलर इन ऑडियोलॉजी एण्ड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी–चार वर्षीय पैरा–मेडिकल कोर्स

  मुख्य उद्देश्य : उत्तर भारत में ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थेरेपिस्ट की पूर्ति।

- बैचलर इन प्रोस्थेटिक्स एण्ड ऑथोटिक्स–साढ़े चार वर्षीय पाठ्यक्रम मुख्य उद्देश्य : चलन चुनौती–ग्रस्त व्यक्तियों के लिये कृत्रिम अंग तैयार करने हेतु व्यावसायिकों की पूर्ति।

- मूक बधिर विद्यार्थियों के लिये दो वर्षीय प्री–डिग्री सर्टिफिकेट कोर्स।

- सेण्टर फॉर स्किल डेवलपमेण्ट, सेण्टर फॉर रिहैबिलिटेशन एण्ड डेवलपमेण्ट स्टडीज़, सेण्टर फॉर जर्नलिज़्म एण्ड मॉस कम्यूनिकेशन, सेण्टर फॉर बिहैवियरल एण्ड कॉग्निटिव साइन्सेज़, सेण्टर फॉर ऑटिज़्म एण्ड मल्टी–डिसएबिलिटी स्टडीज़ एवं कृत्रिम अंग केन्द्र, दूरस्थ शिक्षा केन्द्र एवं केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना।

- ब्रेल प्रेस की स्थापना।

- एक समृद्ध संग्रहालय / कलावीथिका की स्थापना।

- कला प्रेमियों (सभी आयु वर्ग) के लिये छमाही पाठ्यक्रम ''सर्टिफिकेट इन आर्ट एप्रिसियेशन'' का संचालन।
- इण्टरमीडिएट कॉलेज में ज़मीनी स्तर से बच्चों में कला–संस्कार डालने के लिये अच्छे कला–अध्यापक तैयार करने हेतु ''डिप्लोमा इन आर्ट एजुकेशन'' पाठ्यक्रम का संचालन।
- योग्य प्रोफेशनल कलाकार और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के साथ रोजगारपरक कला शिक्षा प्रदान करने हेतु ''बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट'' (B.V.A.), ''मास्टर ऑफ विजुअल आर्ट (M.V.A.)'' और पी–एच0डी0 पाठ्यक्रम का संचालन।
- स्वस्थ एवं समृद्ध सांस्कृतिक वातावरण हेतु नियमित कला–प्रदर्शनियाँ, कला–संगोष्ठियाँ, कला–शिविर एवं अन्य कला गतिविधियों का आयोजन।
- 'पुरातत्व एवं कला संग्रहालय' की इतिहास विभाग में स्थापना।
- यू.जी.सी. के सहयोग से विकलांगता–अध्ययन केन्द्रित एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज की स्थापना।
- राजकीय एवं राज्य द्वारा वित्त पोषित महाविद्यालयों एवं इण्टरमीडिएट कॉलेजों के प्रत्येक में से कम से कम एक

शिक्षक को विकलांगता सम्बन्धित फाउण्डेशन कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाना।

- समेकित शिक्षा हेतु प्राथमिक से इण्टरमीडिएट स्तर तक के एक आवासीय 'मॉडल स्कूल' की स्थापना।
- बाधारहित वातावरण में एक स्टेडियम की स्थापना जिसमें निःशक्त विद्यार्थियों हेतु खेल–कूद की विशेष व्यवस्थाएँ होंगी तथा राष्ट्रीय खेल–कूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की जायेंगी।
- ऐसी संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करना जो नैत्यिक पाठ्यक्रमों के साथ भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम संचालित कर रही हों।

धन्यवाद!

मोहान रोड, लखनऊ – 226 017
फोन : 0522-2998380/81/82 & 3294434
Website: http://dsmru.up.nic.in
मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, 257– गोलागंज, लखनऊ